हमारे पास चार तरह के लोग हैं।

र, ग, स, घ

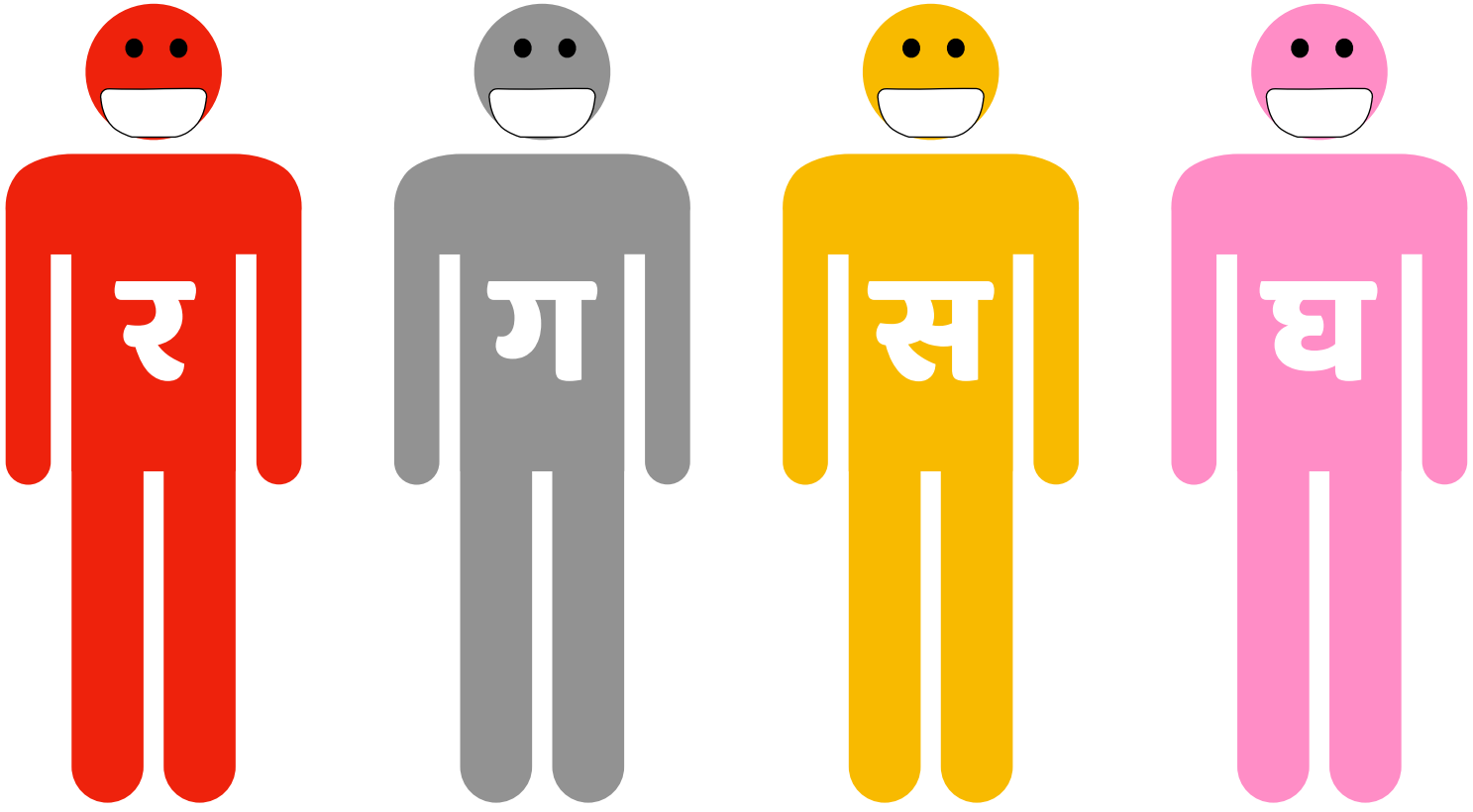

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

र: रोगी हैं, पहले कैरियर।

इनका पता लगाना भी सरल, और अधिकतर डॉक्टरी देखरेख में हैं।

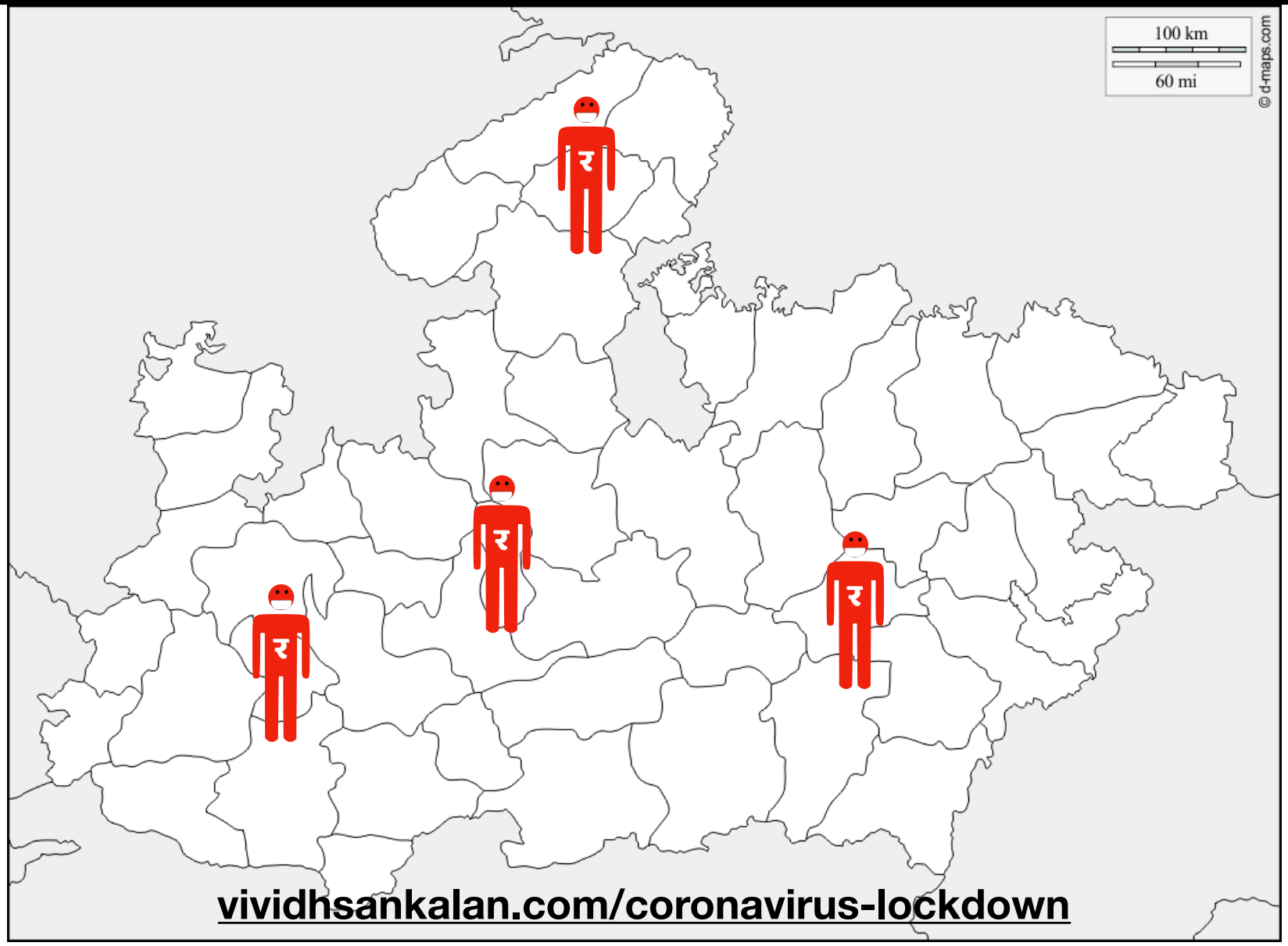

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

र बाहर गए - स से मिलने, और ग से टकराए, हालांकि दोनों एक दूसरे को नहीं जानते।

एयरपोर्ट

बस अड्डा

सार्वजनिक शौचालय

टैक्सी

पार्लर / सलून

लिफ्ट

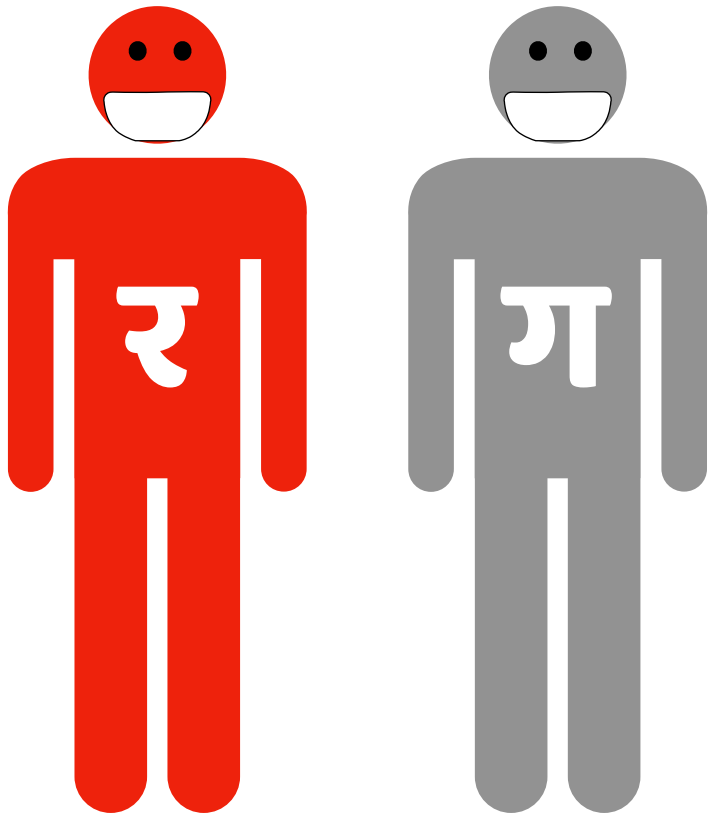

रेलवे स्टेशन

हाइवे में पड़ते ढाबे

रैस्टोरेंट, होटल

सुपरमार्केट

मॉल/बाज़ार

चाय, दूध की दुकान, आदि

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

र जाकर स से मिला। कितने भी स हों, हम ढूँढ सकते हैं।

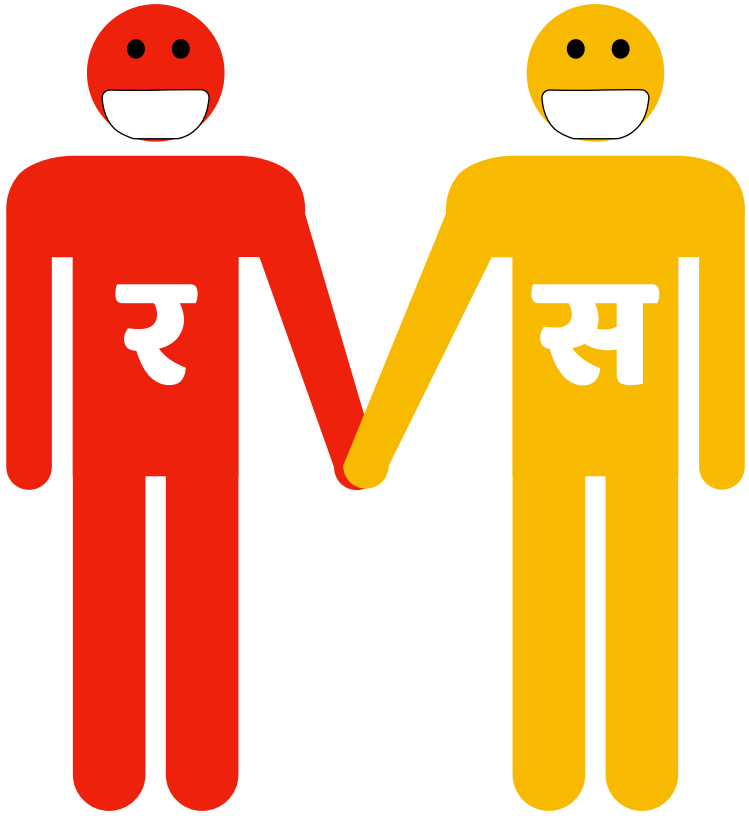

परिवार

मित्र

सहकर्मी (कलीग)

पड़ोसी

बैंक में कॅशियर

सिनेमा में कॉउंटर स्टाफ

फूड डिलीवरी वाले

और भी।

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

क्वारंटाइन - यानि दूसरों से अलग रखकर पूरी निगरानी में

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

घ - घर में रहते हैं,
बाहर निकलते ही नहीं।

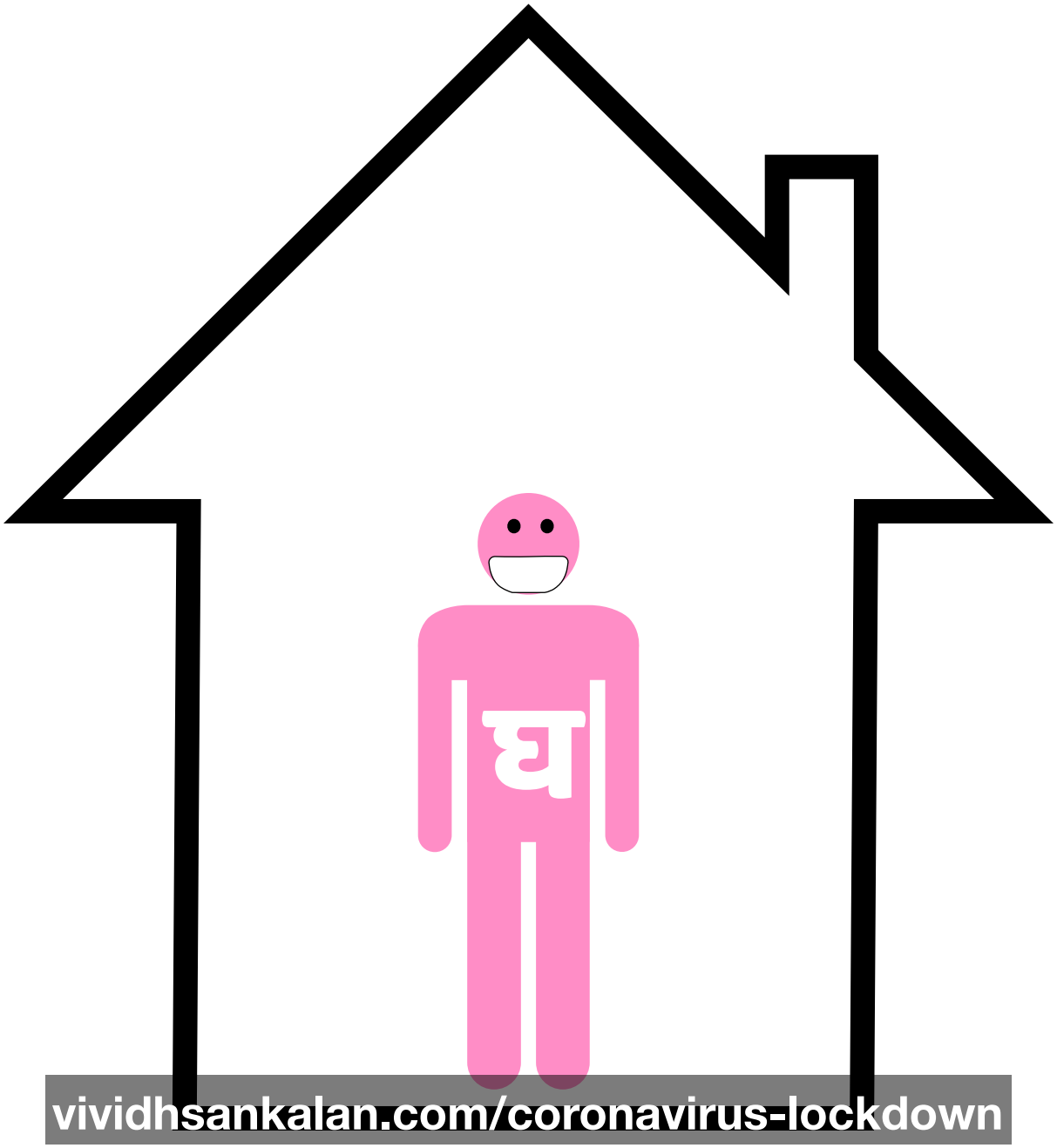

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

समस्या: हमें ग नहीं मिलेंगे,

वो गुमनाम रहेंगे। कोई नहीं जानता कि ग कौन है, वो स्वयं भी अनजान हैं।

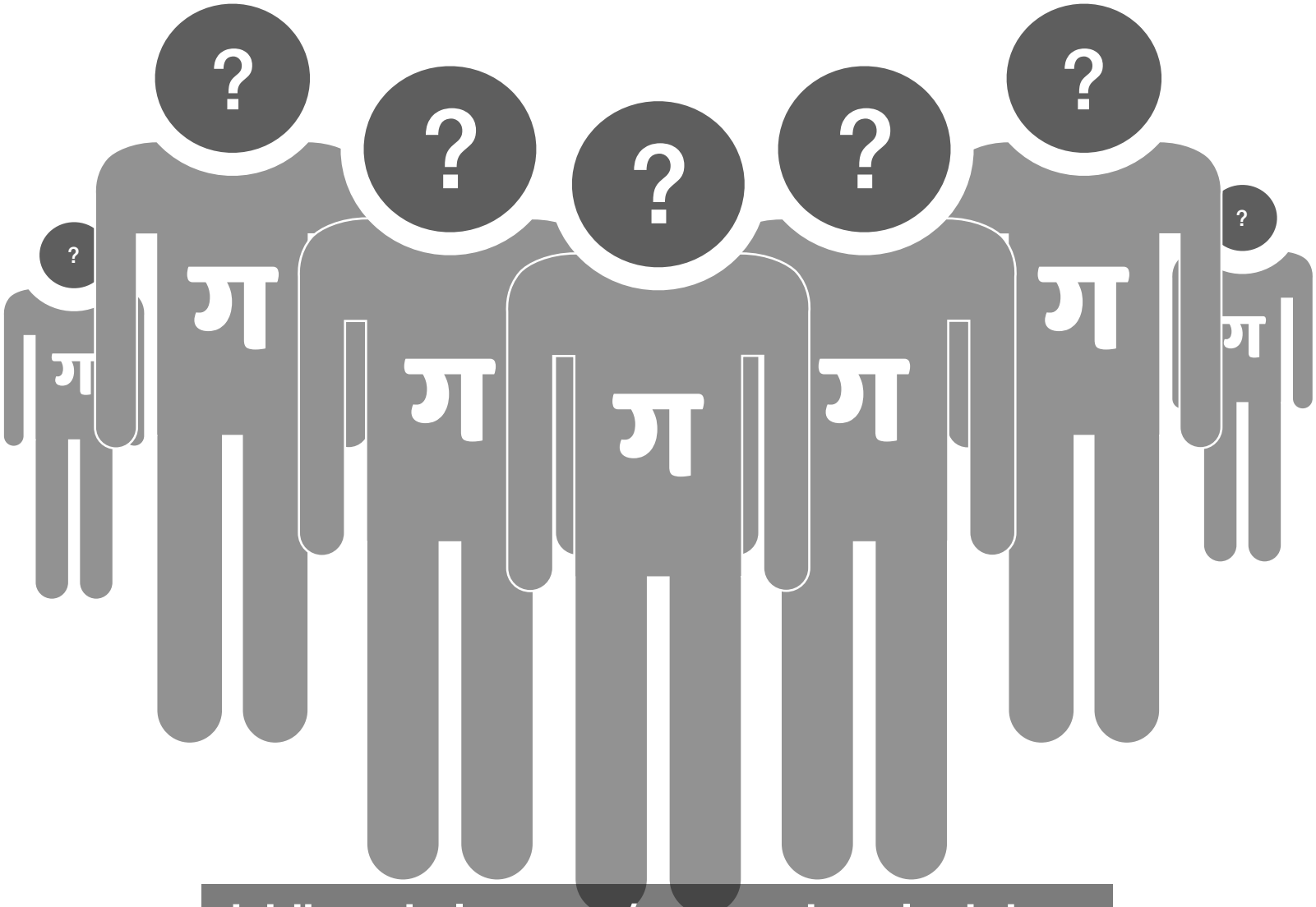

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

अगर घ बाहर चले गए, और ग के संपर्क में आए, तो घ भी नए ग बन जाएंगे। (ग२)

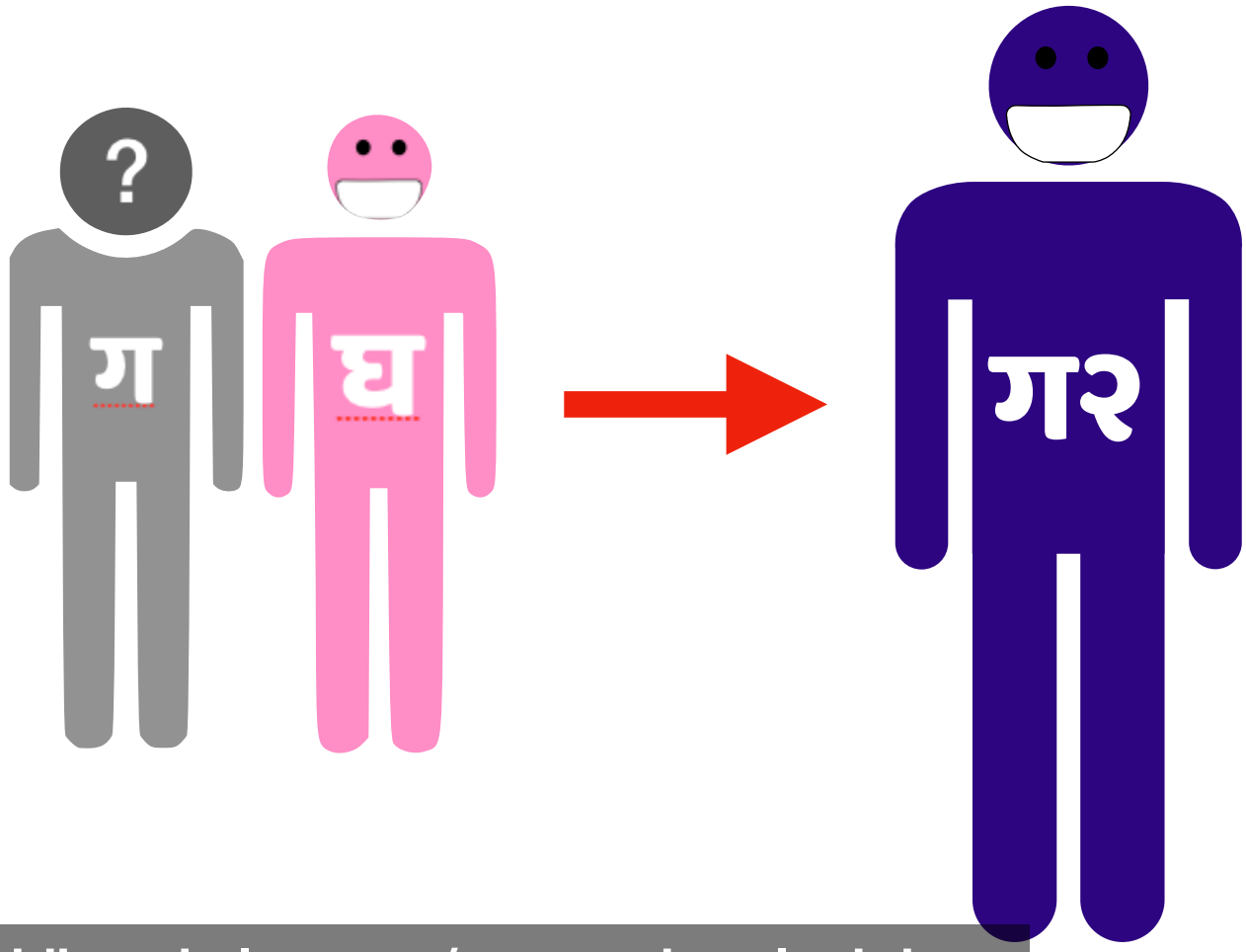

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

अगर घ बाहर चले गए, और ग के संपर्क में आए, तो घ भी नए ग बन जाएंगे। (ग२)

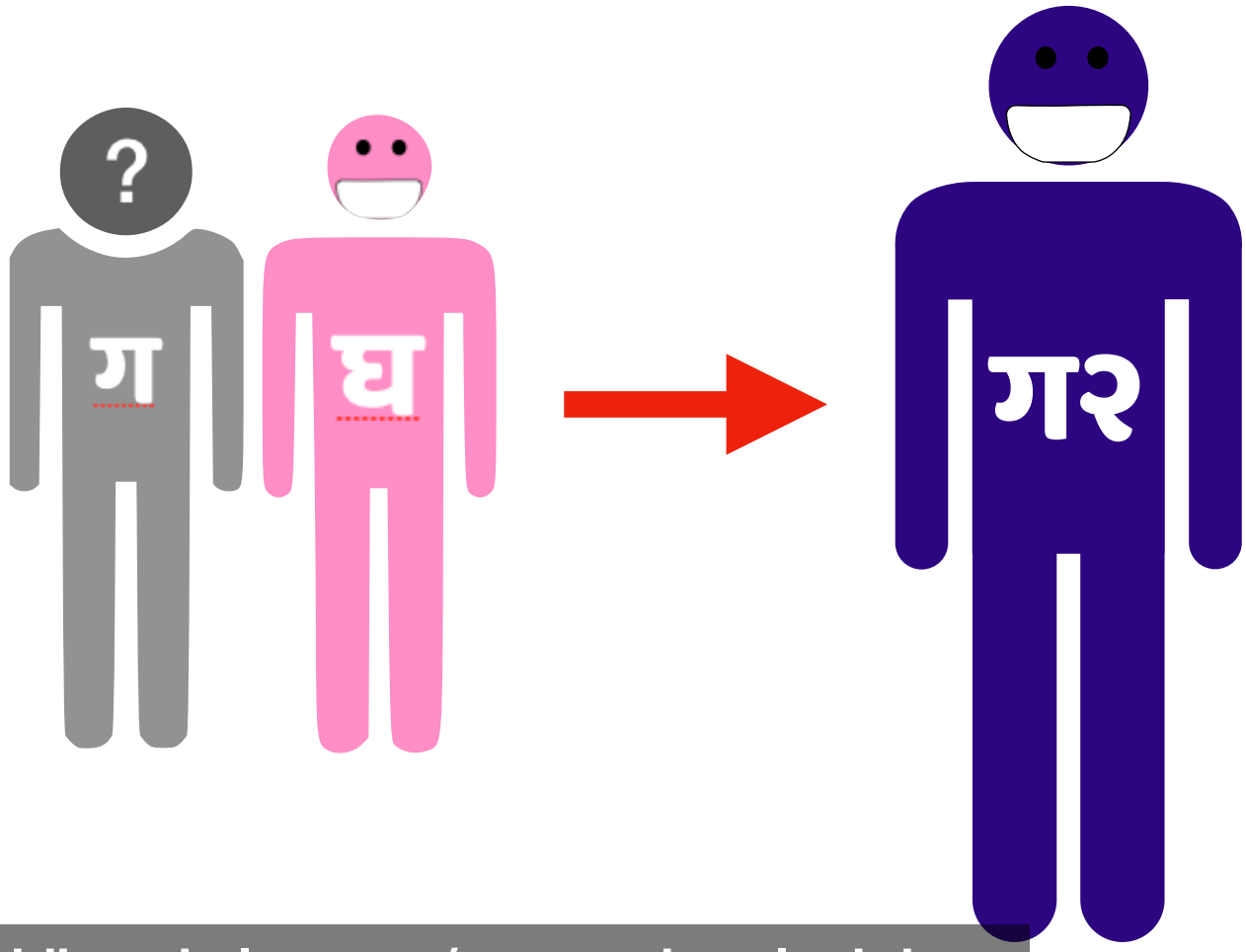

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

लॉकडाउन या कर्फ्यू से, और र को अलग रखने से, हमें ब को खोजने का समय मिल जाएगा।

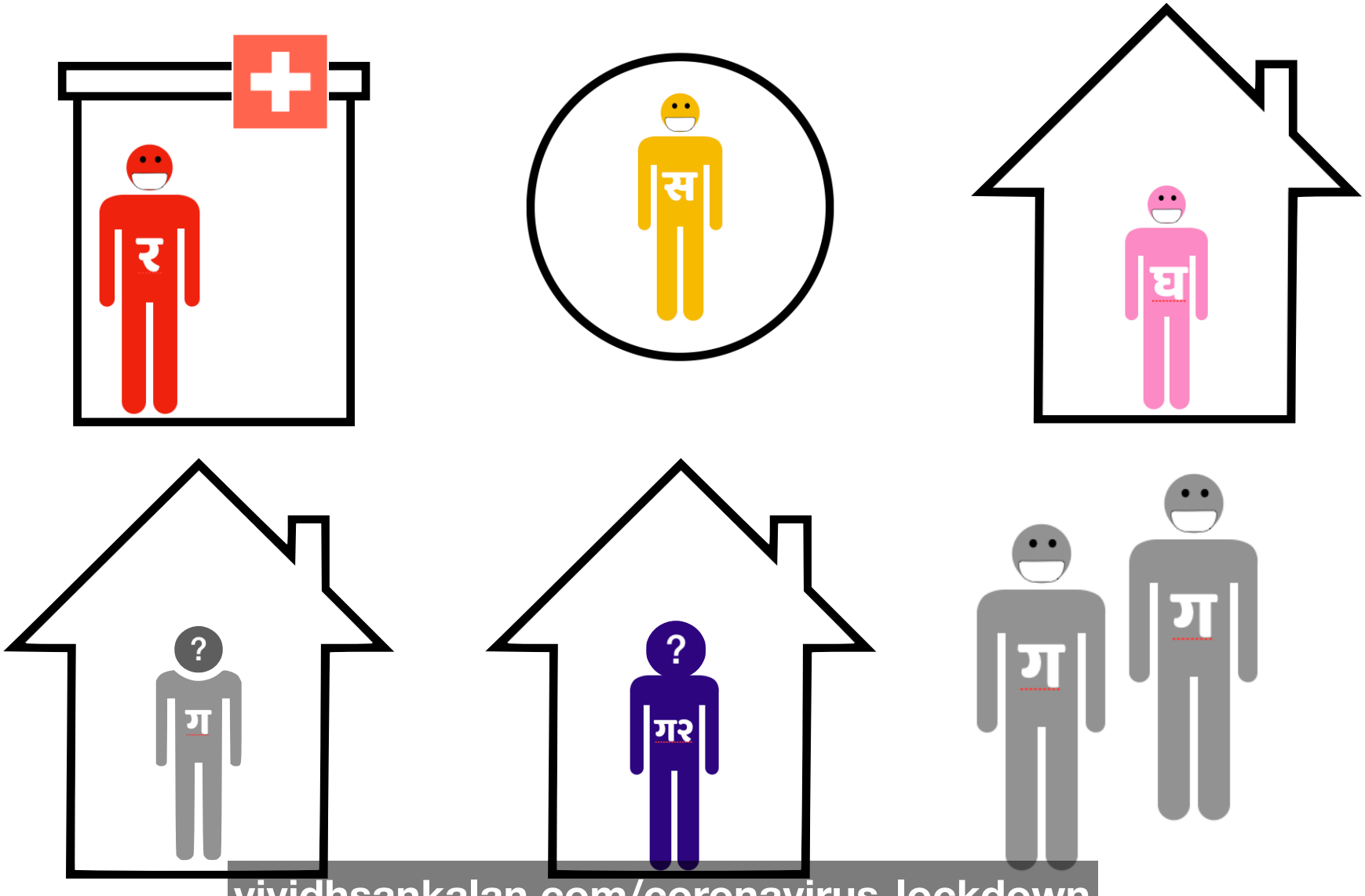

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

दरअसल रोग के पता चलने में १४ दिन तक भी लग सकते हैं। २ हफ्ते में ग समूह में लक्षण दिखने लगेंगे।

तेज़ बुखार

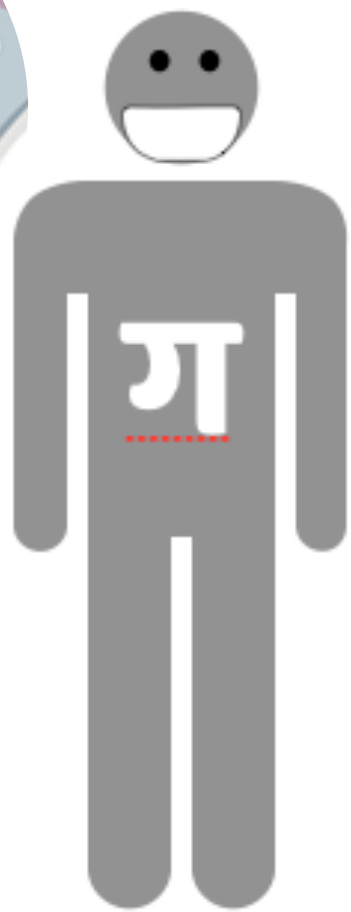

सूखी खाँसी

साँस लेने में तकलीफ

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

इस तरीके से हम

१. ग समूह को ढूंढ सकते हैं। उन्हें अलग रख कर इलाज दे सकते हैं।

२. ग२ को बढ़ने से रोक सकते हैं।

ताकि संक्रमण फैलना समाप्त हो।

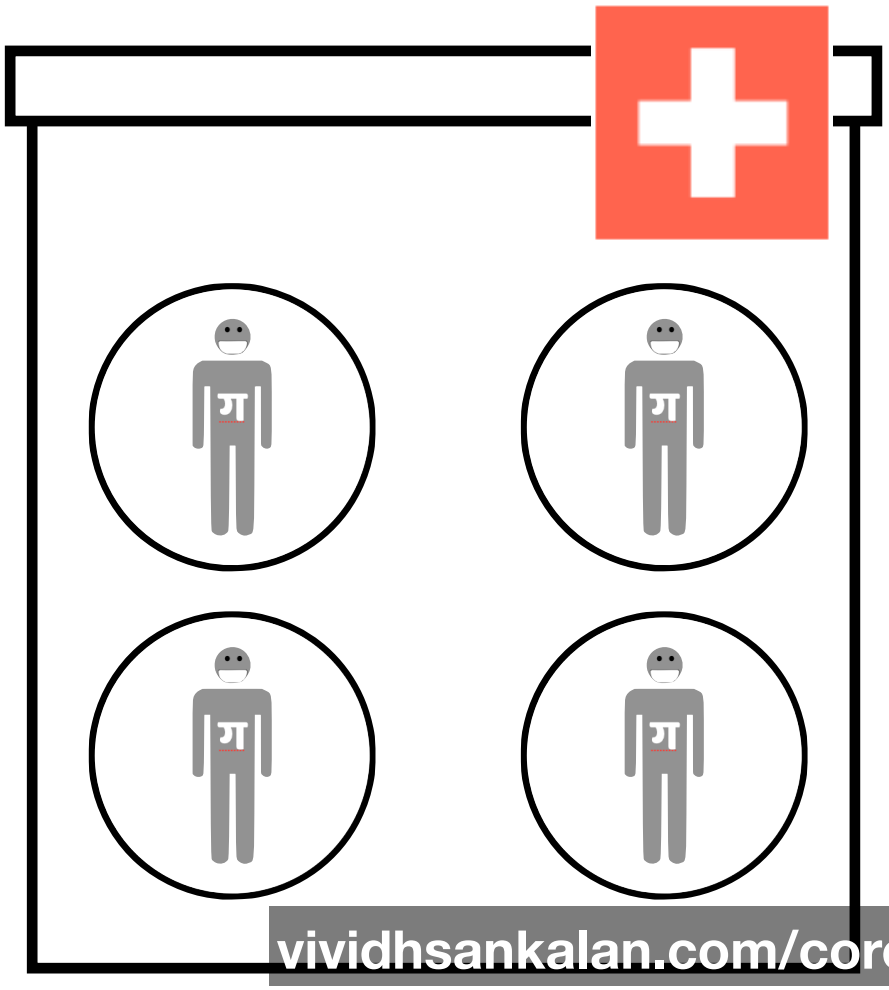

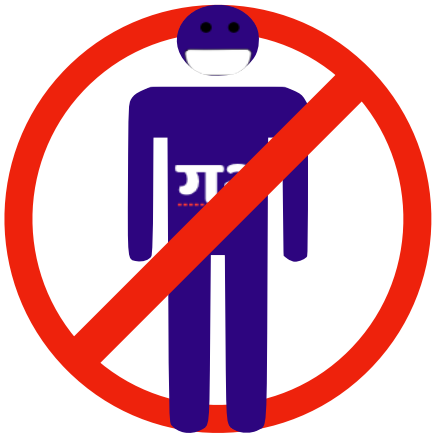

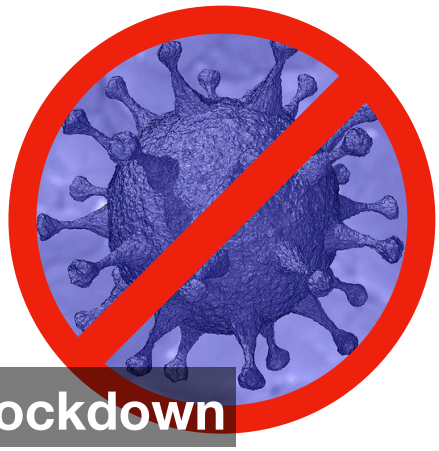

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown

एक व्यक्ति भी बहुत फर्क ला सकता है।
पीछे हटकर। घर पर रहकर।

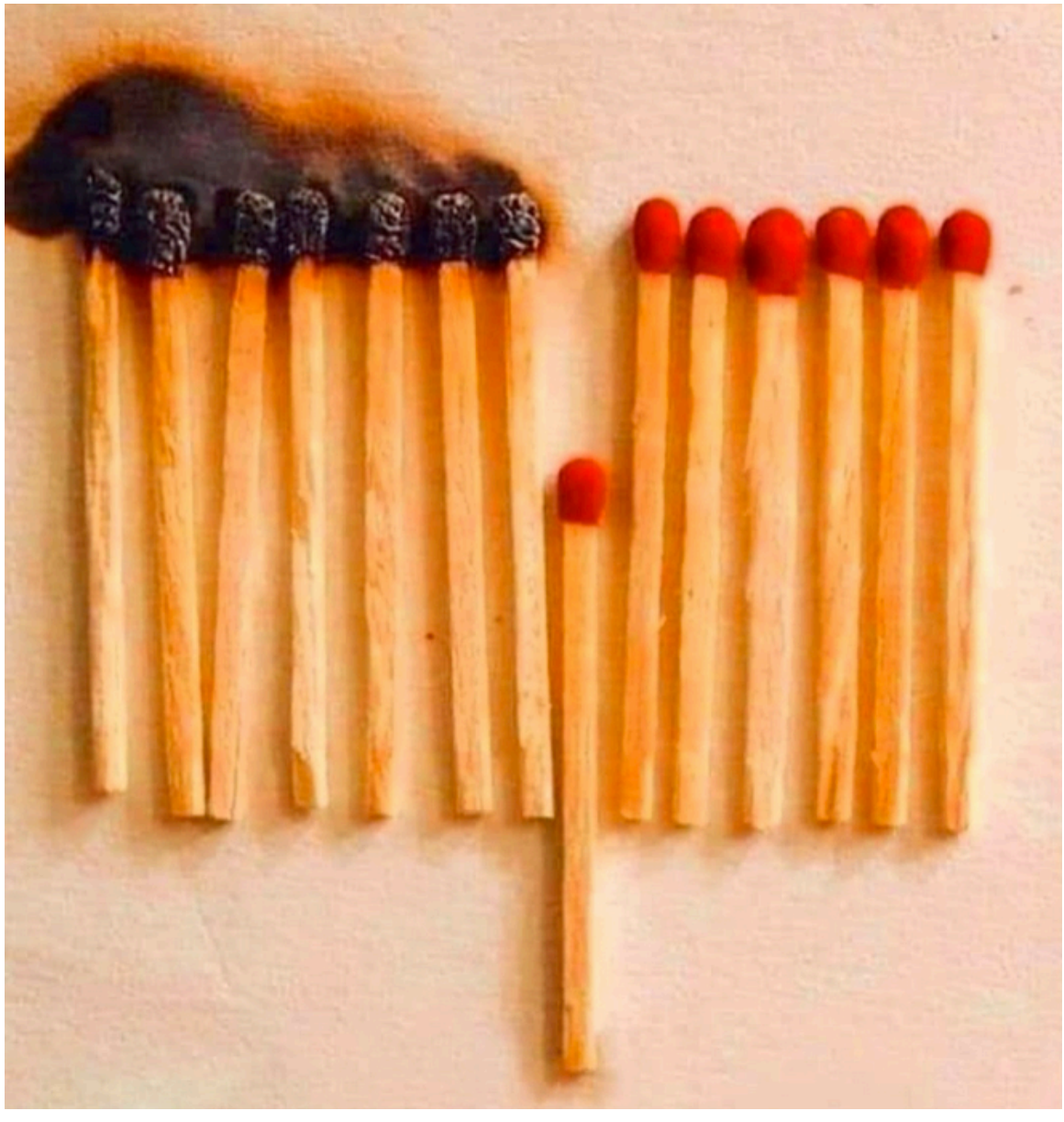

vividhsankalan.com/coronavirus-lockdown